

[अनुवाद]

उपाध्यक्ष महोदय : व्यवस्था का कोई प्रश्न नहीं है।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप किस विषय के संबंध में व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहते हैं ?

श्री धावरचन्द गेहलोत : मैं नियम 376 (ए) के अंतर्गत प्वाइंट ऑफ आर्डर उठा रहा हूँ।... (व्यवधान)*

[अनुवाद]

उपाध्यक्ष महोदय : कुछ भी कार्यवाही वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(व्यवधान)*

उपाध्यक्ष महोदय : सभा में कुछ तो शिष्टाचार होना चाहिए।

[हिन्दी]

श्री धावरचन्द गेहलोत : आप मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर तो सुन लीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : हां बोलिए, आप क्या कहना चाहते हैं।

श्री धावरचन्द गेहलोत : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह है कि कल जिन-जिन माननीय सदस्यों ने शून्यकाल की सूचना दी थी और जिनको कल पढ़ने का अवसर नहीं मिला था उनको आज अवसर देने के लिए कहा था। मैं वही निवेदन कर रहा हूँ कि हमको अवसर दिया जाए।

अपराह्न 1.07 बजे

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

महोदय, कल आपने यह व्यवस्था दी थी कि कल शून्य काल में जिन-जिन सदस्यों ने सूचना दी थी उनमें से जो बाकी रह गए हैं उन सबको कल अवसर दिया जाएगा अर्थात् आज दिया जाएगा। मुझे पूरे सत्र में केवल एक अवसर मिला है। मुझे नियम 377 में भी अवसर नहीं मिला तो आज हमें अवसर मिलना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : तो क्या करोगे ?

श्री धावरचन्द गेहलोत : मुझे आपका संरक्षण चाहिए, मुझे अवसर दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : मैं क्या करूँ ?

श्री धावरचन्द गेहलोत : आप अवसर दे दीजिए।

* कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।

अध्यक्ष महोदय : आप हाउस एक्सटेंड कर लीजिए। मुझे कोई एतराज नहीं है, मैं बैठने को तैयार हूँ, 10-15-20 दिन भी बैठने के लिए मैं तैयार हूँ।

श्री धावरचन्द गेहलोत : अध्यक्ष जी, कल आपने व्यवस्था दी थी इसलिए मैं निवेदन कर रहा हूँ।... (व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लेने से पूर्व प्रधान मंत्री जी एक वक्तव्य देंगे। उन्हें कही जाना है।

अपराह्न 1.07 1/2 बजे

[अनुवाद]

प्रधान मंत्री द्वारा वक्तव्य

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जन्म शती मनाने
संबंधी सरकार का निर्णय

प्रधान मंत्री (श्री एच.डी. देवेगौड़ा) : अध्यक्ष महोदय, और माननीय सदस्यगण,

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जन्म शताब्दी मनाने के संबंध में इस सदन में और बाहर हाल ही में चिन्ता व्यक्त की गई है।

सबसे पहले मैं इस संबंध में सभी सन्देहों को दूर करना चाहूंगा। नेताजी की जन्म शताब्दी उपयुक्त तरीके से मनाने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय समिति का गठन नवम्बर, 1995 में किया गया था। राष्ट्रीय समिति को बैठक 5 दिसम्बर, 1995 को हुई थी, जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि समारोह 23 जनवरी, 1997 को प्रारम्भ होगा और तत्पश्चात् एक वर्ष तक चलेंगे। राष्ट्रीय समिति ने एक उप-समिति भी गठित की थी, जिसको समारोहों की कार्य-योजना तैयार करने का कार्य सौंपा गया था। इस उप-समिति को बैठक 25 अक्टूबर, 1996 को हुई थी, जिसमें 23 जनवरी, 1997 के उद्घाटन समारोह तथा शताब्दी वर्ष के दौरान चलने वाले कार्यक्रम तैयार किये गये। इस कार्यक्रम को मनाने के तरीके के संबंध में चर्चा करने के लिए मैंने 9 दिसम्बर, 1996 को संसद के दोनों सदनों के नेताओं के साथ बैठक भी की थी। उप-समिति प्राप्त सुझावों के प्रकाश में शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों व कार्यक्रमतापों को अंतिम रूप प्रदान कर रही है।

मैं माननीय सदस्यों को सूचित करना चाहूंगा कि सरकार भारत की जनता के सहयोग से नेताजी के जन्म शताब्दी संबंधी समारोहों को राष्ट्रीय महत्व की एक स्मरणीय घटना बनाने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी जो कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण योगदान के अनुरूप हो। नेताजी को पूरे भारत को जनता आदर व स्नेह

के साथ स्मरण करती है और इस तथ्य को समारोहों की योजना तैयार करते समय पूर्णतः मद्देनजर रखा जायेगा।

सुझाव है कि बाल दिवस (14 नवम्बर) और शिक्षक दिवस (5 सितम्बर) के ही पैटर्न पर 23 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा दिवस या राष्ट्रीय शौर्य दिवस के रूप में घोषित किया जाये। इस संबंध में हम और भी सुझावों का स्वागत करेंगे, ताकि नेताजी का जन्म दिवस भावी पीढ़ी द्वारा उपयुक्त तरीके से मनाया जा सके।

23 जनवरी, 1997 को, जो कि शताब्दी समारोह के आरम्भ होने का दिन है, प्रशासनिक अवकाश के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव है और यह भी प्रस्ताव है कि उस दिन लालकिले में उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाये। इस समारोह में नेताजी पर एक स्मारक डाक टिकट का भी विमोचन किया जायेगा।

शताब्दी वर्ष के दौरान नेताजी की स्मृति में स्मारक सिक्के जारी किये जायेंगे; उनके जीवनवृत्त संबंधी फिल्म का विमोचन किया जायेगा और उनका जीवनी प्रकाशित और परिचालित की जायेगी। भारत सरकार नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की संग्रहित कृतियों को प्रकाशित करने के लिए वित्तीय सहायता भी देगी।

सरकार द्वारा नेताजी और आजाद हिन्द फौज के लिए एक उपयुक्त स्मारक बनाने की भी योजना है। नेताजी का स्मारक उनके जन्म स्थल कटक या किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर बनाया जा सकता है। आजाद हिन्द फौज का स्मारक मणिपुर में मोएरंग में बनाया जा सकता है। लाल किला-सलामगढ़ किला परिसर में स्थापित स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय एवं स्वतंत्रता सेनानियों स्मारक को सुदृढ़ किया जायेगा।

इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि जन्म शताब्दी को पूरे देश में मनाया जाए, सभी राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों के मुख्य मंत्रियों से उपयुक्त कार्यक्रमों व कार्यक्रमलापों की योजना तैयार करने और उनको आयोजित करने के लिए अनुरोध किया गया है। देश भर में स्कूलों और कालेजों में सेमिनारों, वाद-विवादों, प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

चूंकि नेताजी के जन्म शताब्दी समारोह स्पष्टतः भारत की स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ के साथ-साथ ही आयोजित किये जाएंगे, इसलिए इन दोनों को बेहतर ढंग से समायोजित करने के प्रयास किये जायेंगे।

मुझे विश्वास है कि इस जन्म शताब्दी को उपयुक्त तरीके से, मनाने के हमारे प्रयास में इस महान सदन के सभी सदस्य अपना पूर्ण सहयोग देंगे।

श्री बसुदेव आचार्य (बांकूरा) : क्या 23 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में घोषित किया जा रहा है?... (व्यवधान)

श्री एच.डी. देवेगौडा : 23 जनवरी को केवल 1997 के लिए राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है।

श्री बसुदेव आचार्य : केवल 1997 के लिए। क्या इसे...के लिए राष्ट्रीय अवकाश के रूप में घोषित नहीं किया जा रहा ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री जो ने यह भी कहा है कि यदि आपका कोई सुझाव है तो आप दे सकते हैं। आप और सुझाव दे सकते हैं।

(व्यवधान)

श्री पी. उपेन्द्र (विजयवाड़ा) : इम्फाल, मणिपुर में एक युद्ध स्मारक की स्थिति बहुत ही खराब है।... (व्यवधान) प्रधान मंत्री को इसकी ओर ध्यान देना चाहिए... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं।

(व्यवधान)

श्री तरित वरण तोपदार (बैरकपुर) : नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जन्म शताब्दी के अवसर पर मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि बंद आई.एम.ए. से संबंधित जो भी दस्तावेज रक्षा मंत्रालय के पास हैं उनका खुलासा करें। यह बात बहुत महत्वपूर्ण है तथा जो भ्रान्तियां फैली हैं यह उन्हें दूर करेंगे... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : वक्तव्य यह कहता है कि आप सुझाव दे सकते हैं, और अधिक सुझाव दे सकते हैं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं। मैं नहीं समझता कि हमें अपना कार्य इस प्रकार समाप्त करना चाहिए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री नीतीश भारद्वाज

(व्यवधान)

अपराह 1.15 बजे

[हिन्दी]

**अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय
की ओर ध्यान दिलाना**

कर्नाटक के मांड्या जिले में एक महिला को कथित रूप से निर्बस्त्र किया जाना और उसके परिणामस्वरूप महिला द्वारा आत्महत्या

श्री नीतीश भारद्वाज (जमशेदपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर गह ध्यान दिलाना चाहता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि इस बारे में वक्तव्य दें।... (व्यवधान)